८. जिंदगी का सफर

– नंदलाल पाठक

सफर में जिंदगी के कितना कुछ सामान रहता है,
वो खुशकिस्मत है, जिसका हमसफर ईमान रहता है ।

सुखी वह है, जमीं से जो जुड़ा इनसान रहता है,
नदी चलती है झुककर, रास्ता आसान रहता है ।

मेरा परमात्मा मेरी तरह बिल्कुल अकेला है,
मुझे उसका, उसे मेरा हमेशा ध्यान रहता है ।

वे मरकर भी अमर हैं, प्यार है तप-त्याग से जिनको,
चला जाता है जब इनसान, तब बलिदान रहता है ।

मेरे भी पास यादों और सपनों के खजाने हैं,
भिखारी के भी घर में कुछ न कुछ सामान रहता है ।

जरूरी है करे नेकी तो खुद दरिया में डाल आए,
निराशा उसको होती है जो आशावान रहता है ।

ये दुनिया धर्मशाला है, यहाँ बस आना-जाना है,
यहाँ ऐसे रहो जैसे कोई मेहमान रहता है ।

परिचय

जन्म : १९२९, गाजीपुर (उ.प्र.)
परिचय : बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से शिक्षा पूर्ण करने के बाद नंदलाल पाठक जी का अधिकांश जीवन मुंबई में शिक्षक के रूप में बीता । वर्तमान में आप महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के कार्याध्यक्ष के रूप में हिंदी की सेवा कर रहे हैं ।
प्रमुख कृतियाँ : 'धूप की छाँह', 'जहाँ पतझर नहीं होता' (कविता संग्रह), 'फिर हरी होगी धरा', 'गजलों ने लिखा मुझको' (हिंदी गजल संग्रह), 'भगवद्गीताः आधुनिक दृष्टि' (चिंतन) आदि ।

पद्य संबंधी

प्रस्तुत गजल के विभिन्न शेरों में गजलकार नंदलाल पाठक जी ने ईमान, विनम्रता, त्याग, बलिदान, परोपकार आदि गुणों को दर्शाया है । आपका मानना है कि यह दुनिया एक सराय की तरह है । यहाँ जीवों का आना-जाना सतत चलता रहता है ।

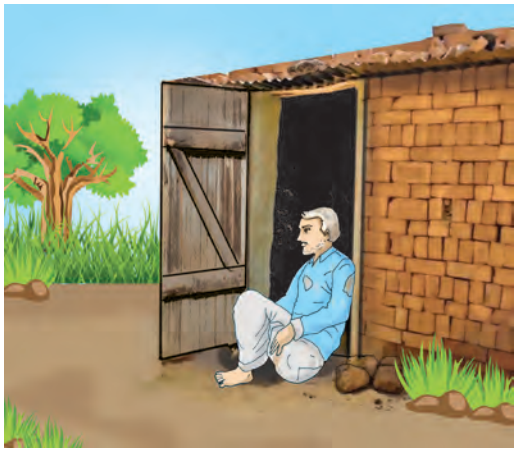

शब्द वाटिका

खुशकिस्मत = भाग्यवान
हमसफर = सहयात्री
दरिया = नदी

कहावत
नेकी कर दरिया में डाल = उपकार करके भूल जाना

*** सूचना के अनुसार कृतियाँ करो :-**

(१) कृति पूर्ण करो :

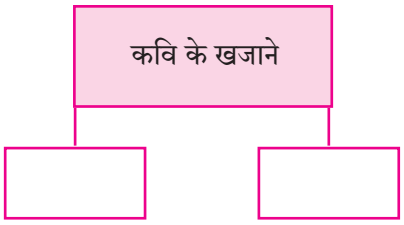

कवि के खजाने
- [ ]
- [ ]

(२) जोड़ियाँ मिलाओ :

अ	उत्तर	आ
जिंदगी	--------	अकेला
परमात्मा	--------	धर्मशाला
दुनिया	--------	प्यार
तप-त्याग	--------	सफर

(३) पंक्तियों का अर्थ लिखो :

१. निराशा उसको होती है जो आशावान होता है ।
२. सुखी वह है, जमीं से जो जुड़ा इंसान रहता है ।

कल्पना पल्लवन

'विनम्रता में वीरता समाहित है' विषय पर अपने विचार लिखो ।

भाषा बिंदु

(अ) पाठों में आए शब्दयुग्म ढूँढ़कर उनकी सूची बनाओ ।
(आ) शब्द शुद्ध करके लिखो : द्रुष्य, उनत्त, सघंर्श, मधुमख्की, औद्योगीक

उपयोजित लेखन

'यशवंत शैक्षिक सामग्री भंडार' के व्यवस्थापक को भूगोल विषय की शैक्षिक सामग्री की माँग करते हुए पत्र लिखो ।

मैंने समझा

स्वयं अध्ययन

व्यसनों से होने वाले दुष्परिणामों पर छह से आठ वाक्य लिखो ।

I7IQ5J